Volume-4, No. II, Aug-2017, pp.Hin.-21-25

महिला सशक्तिकरण–स्वयं सहायता समूह द्वारा जनपद अलीगढ़ (उ0प्र0) में सामाजिक आर्थिक विश्लेषण

डॉ मोहम्मद हयात अंसारी
अध्यक्ष भूगोल विभाग
फारूक असलम डिग्री कॉलेज अमरोहा उत्तर–प्रदेश भारत।

प्रस्तावना –

भारत सरकार ने विभिन्न प्रांतों के अधिकारीयों को सामान रूप से महिला विकास की नीति बनाने पर जोर दिया क्योंकि भारत एक ग्रामीण अर्थव्यस्था वाला देश है। और जिसकी अधिकाश जनसंख्या ग्रामो में निवास करती है। ग्रामीण समुदाय की महिलाओं में विकास के स्तरों को 1980 में पूर्ण रूप से बढ़ावा दिया गया तथा महिलाओं के सशक्तिकरण को ध्यान में रख कर बैंकों में खाते आदि तथा वित्त सम्बन्धी निवेश कराये जाने पर बल दिया गया तथा स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित किया गया गरीबी एवं बेरोजगारी भारत की प्रमुख समस्याएं हैं। योजना आयोग के अनुसार भारत में 26.1 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करते हैं । और भारत में बेरोजगारी की दर लगभग 7.32 प्रतिशत है। तथा महिला बेरोजगारी की दर 8.5 प्रतिशत है। तथा ग्रामीण महिला बेरोजगारी की दर 9.8 प्रतिशत है। बेरोजगारी को काम करने में स्वयं सहायता समूहों महवत्पूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सूक्ष्म वित्त उपकरण में वह महत्वपूर्ण संभावनाएं हैं। जो भारत में निर्धनता को काम करने में सहायक हैं। जिन खूबसूरत उद्देश्यों को पिरो कर सूक्ष्म वित्त की अवधारणा को भारत में लागू किया गया वे आज बहस विवाद मुद्दों के चौराहे पर खड़ा है ।

मुख्य शब्द–

अध्ययन क्षेत्र– अलीगढ़ जनपद उत्तर प्रदेष के पष्चिमी भाग में 27°35′ उत्तरी अक्षांष और 28°11′ उत्तरी अक्षांष तथा 77°29′ पूर्वी देशांतर से 77°38′ पूर्वी देशांतर तक फैला हुआ है। जनपद अलीगढ़ गंगा यमुना दोआब के मैदानी प्रदेश में स्थित है। गैंग नदी अलीगढ़ जनपद एवं बदायूं जनपद के मध्य बहती है। जबकि यमुना नदी जनपद के उत्तरी पश्चिमी भाग में अलीगढ़ जनपद और हरियाणा राज्य के पलवल जनपद के मध्य बहकर दोनों जनपदो की सीमाओं का निर्धारण करती है। इस जनपद के उत्तर में गौतम बुद्ध नगर एवं बुलंदशहर जनपद पश्चिम तथा दक्षिण पश्चिम में मथुरा जनपद की छाता एवं सादाबाद तहसीलें हैं। जबकि दक्षिण में हाथरस जनपद और पूर्व में एटा जनपद है। इस जनपद की आकृति चित्र संख्या 01 में प्रदर्षित की गयी है।

जनपद की पूर्व और पश्चिम की अधिकतम लम्बाई 112 किमी तथा उत्तर दक्षिण के मध्य की चौड़ाई 64 किमी है।

उत्तर प्रदेश राज्य में जनपद अलीगढ़ की स्थिति

जनपद का कुल भौगोलिक छेत्रफल 3747 वर्ग किमी है । जनपद अलीगढ़ 2001 की जनगणना के अनुसार कुल जनसंख्या 2992286 है। जिसमे 1607402 पुरुष तथा 1384884 महिलाएं है। अध्ययन क्षेत्र का जनसंख्या घनत्व 819 व्यक्ति वर्ग किमी है तथा लिंग अनुपात 861 महिलाएं प्रति 1000 पुरुष हैं। जनपद अलीगढ़ की कुल साक्षरता 58.48 प्रतिशत है जिसमे पुरुष साक्षरता 71.71 प्रतिशत तथा स्त्रियों की साक्षरता 43.03 प्रतिशत है।

प्रशासनिक गठन –

प्रशासनिक दृष्टि कोण से अलीगढ़ जनपद को 5 तहसीलों एवं 12 विकासखंडों में विभाजित किया गया है। क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे अधिक क्षेत्रफल अलरौली तहसील का है। जो 881.6 वर्ग किमी में प्रसारित है, जबकि सबसे कम क्षेत्रफल 531. 8 वर्ग किमी इगलास तहसील का है। कोल तहसील का क्षेत्रफल 817. 5 वर्ग किमी व खैर तहसील का क्षेत्रफल 710.1 वर्ग किमी तथा गभाना तहसील का क्षेत्रफल 605.3 वर्ग किमी है।

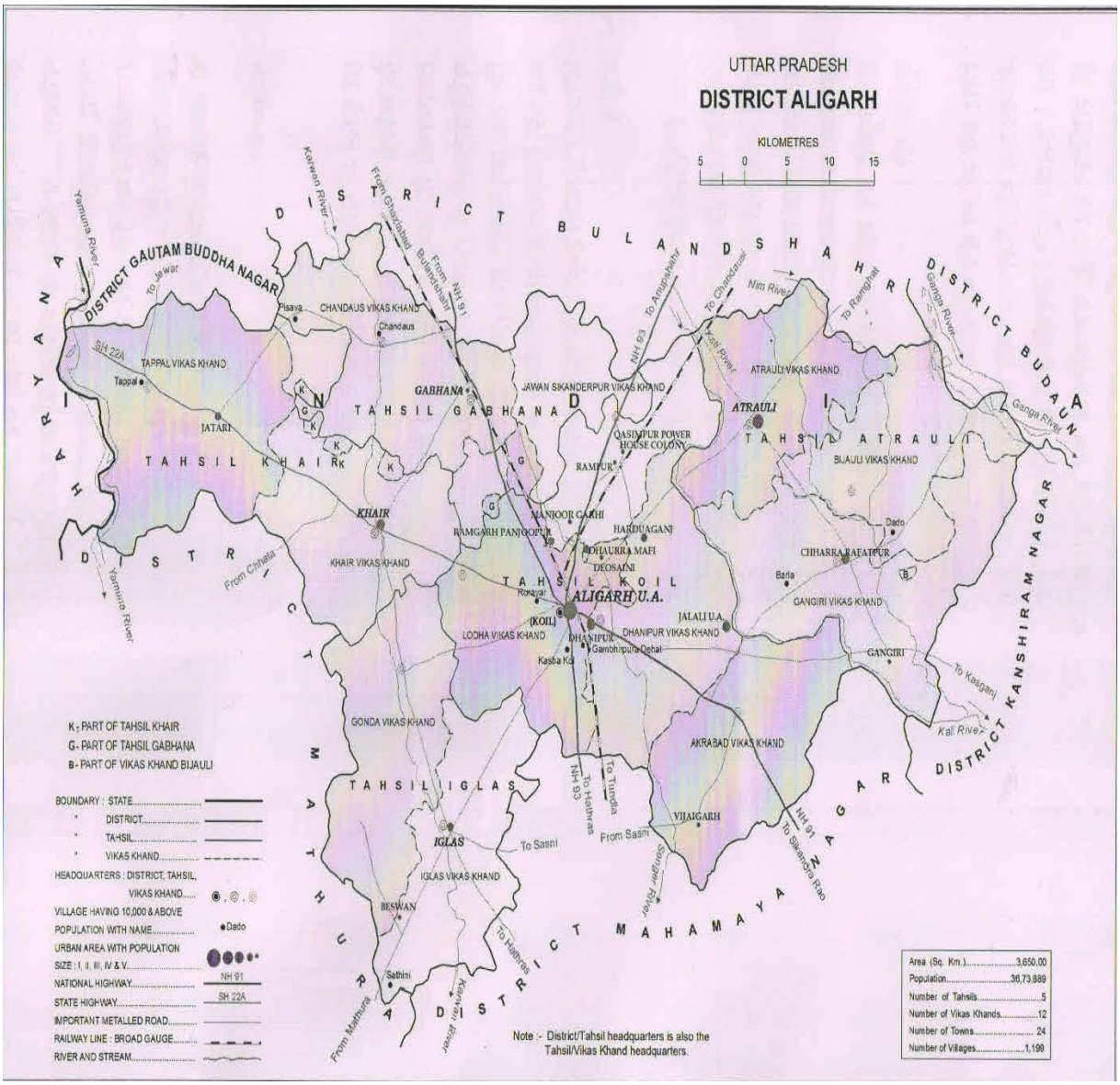

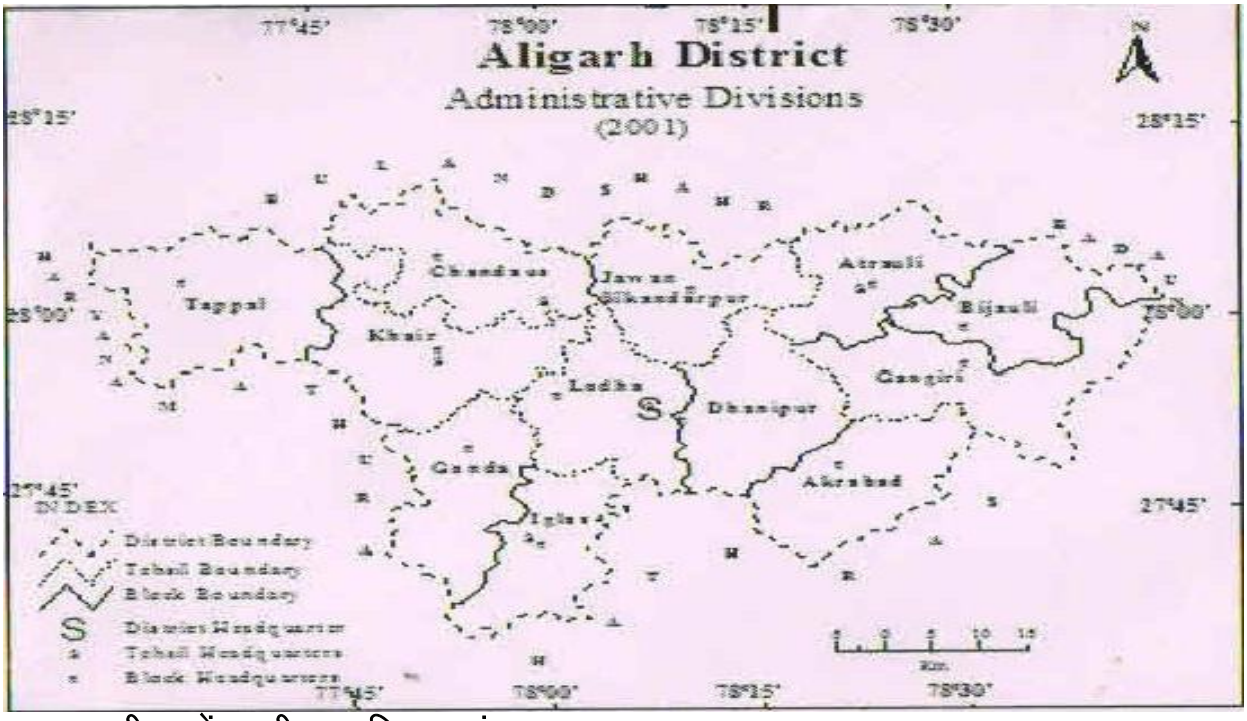

जनपद अलीगढ़ में तहसीलवार विकास खंड

क्र सं	तहसील	विकास खण्ड
1	गभाना	1. चण्डौस 2. जवाँ
2	खैर	1. टप्पल 2. खैर
3	ठगलास	1. गोंड़ा 2.इगलास
4	कोल	1. लोधा 2 . धनीपुर 3 . अकराबाद

स्रोत सांख्यिकीय पत्रिका अलीगढ़ जनपद 2006

जनपद अलीगढ़ की प्रमुख तहसीलें

उपरोक्त तालिका स्पष्ट प्रदर्षित करती है। की कोल एवं अतरौली तहसीलों में तीन तीन विकास खंड हैं। जबकि शेष तहसीलों में दो–दो विकास खंड हैं। तहसील मुख्यालय पर उप जिला अधिकारी, तहसीलदार एवं परगनाधिकारी, जिलाधिकारी की जिला प्रशासनिक वव्यस्था में सहयोग करते हैं। प्रत्येक विकासखंड में विकास खंड अधिकारी तथा जनपद मुख्यालय पर मुख्या विकास अधिकारी अपने सहयोगियों के साथ सम्पूर्ण जनपद के विकास कार्यों की देख रेख करते हैं। कानून वव्यस्था बनाये रखने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अपने सहायक व अन्य पुलिसकर्मियों का सहयोग लेकर जनपद की शासन वव्यस्था में

सहयोग प्रदान करते हैं। जनपद के 12 विकास खंडो के मुख्यालयों में 9 मुख्य – टप्पल, चण्डौस, जवां, गौण्डा लोधा, धनीपुर, अकराबाद, बिजौली, तथा गंगीरी गांव है। केवल तीन मुख्य नगर अतरौली, इगलास, खैर हैं। गभाना तहसील का मुख्यालय गभाना गांव में है।

अलीगढ़ जनपद में 853 ग्रामसभा 350 पंचायत घर 1212 ग्राम एवं 13 नगर तथा 122 नगर पंचायतें हैं। विकास खंड अनुसार सबसे अधिक न्याय पंचायत (11), ग्राम सभा (92) एवं ग्राम (142) लोधा विकासखंड में हैं। और सबसे अधिक पंचायतघर (46) धनीपुर विकासखंड में हैं। अलीगढ़ जनपद की सबसे बड़ी प्रशासनिक इकाई न्याय पंचायत है जो सम्पूर्ण अलीगढ़ जनपद का (नगरों को छोड़कर) प्रबंध देखती है।

नगरों का प्रबंध नगर निगम नगर पालिका परिषद् तथा नगर पंचायतें देखती हैं। अलीगढ़ महानगर का प्रबंधन नगर निगम देखती है। अतरौली तथा खैर का प्रबंध नगर पालिका परिषद् देखती है। जलाली छर्रा जट्टारी, हरदुआगंज कोडियागंज, पिलखना, इगलास बेसवां , विजयनगर आदि नगरों का प्रबंध नगर पंचायतें देखती हैं। कासिमपुर पावर हाउस कॉलोनी को सेंसस टाउन का दर्जा प्राप्त है। जिसका प्रबंध पंचायत देखती है। अलीगढ़ जनपद में 250 पुलिस थाने हैं। जिनमे से 13 ग्रामों में तथा 12 नगरों में स्थित हैं।

स्वयं सहायता समूह –

यद्धपि स्वयं सहायता समूह की परिकल्पना प्राचीन भारत में भी मौजूद थी परन्तु मुहम्मद यूनुस ने वास्तविक रूप से साकार किया तो भारत सरकार ने गरीबी कम करने, रोजगार बढ़ाने पलायन रोकने महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने आदि के रूप में 1986–87 में जोर शोर से लागू किया 1991–92 स्वयं सहायता समूह को बैंकों से जोड़ दिया गया स्वयं सहायता समूह स्थानीय लोगों का एक संगठन है। जो सामान उद्देश्य से सामान आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति वाले व्यक्तियों का समूह है। यह समूह ग्रामवासियों का अपना एक छोटा बैंक है। जिसके नियम व स्वयं निर्धारित एवं संचालित करते हैं इसका गठन ग्रामवासी स्वयं अथवा विभाग के सहयोग से करते हैं। जो अपनी आय का हिस्सा सामूहिक कोष में जमा करने हेतु स्वेच्छा से तैयार करते हैं। तथा सदस्यों की उत्पादकता एवं आपातकालीन आवश्यकताओं की पूर्ती हेतु कोष से कर्ज देने के लिए सहमत होते हैं। यह स्वयं सहायता समूह घरेलू आधार पर कार्य करते हैं एक समूह में सदस्यों की संख्या 20 से अधिक नहीं हो सकती इन सदस्यों में से एक अध्यक्ष एक सचिव एवं एक कोषाध्यक्ष चुना जाता है। समूह की मासिक मीटिंग होती है। जिसमे समूह बचत समूह फण्ड शोधन एवं बैंक कर्ज सामाजिक एवं सामूहिक कार्यक्रमों की रूपरेखाओं पर विचार करते हैं। विभिन्न सरकारी रिपोर्टों के अनुसार इस समय भारतवर्ष में लगभग 80 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूह हैं। जिसमे 8 करोड़ से अधिक परिवार जुड़े हुए हैं। इनमे से लगभग 92 प्रतिशत स्वयं सहायता समूह केवल महिलओं के हैं। जनपद अलीगढ़ में 680 से अधिक स्वयं सहायता समूह हैं जो बैंकों से सीधे जुड़े हुए हैं।

उददेश्य–

इस बात का मूल्यांकन करता है की समूह की महिलाओं का आर्थिक एवं शैक्षिक रूप से सशक्तिकरण हुआ है। आर्थिक विकास के प्रभाव को देखना आर्थिक विकास को किस हद तक प्रभावित करता है।

अनुसंधान विधि–

जनपद अलीगढ़ में सभी स्वयं सहायता समूह 680 में से एक सफल स्वयं समूह एवं एक असफल स्वयं सहायता समूह को लिया गया है। जिनमे सर्वश्रेष्ठ रहमानी स्वयं सहायता समूह है। जो लोधा तहसील कौल में है। ये समूह कढ़ाई एम्ब्रायडरी सिलाई आदि के क्षेत्र में अपनी पहचान बना चुका है। असफल समूह में वीरा देवी स्वयं सहायता समूह भी इसी गाँव से ही लिया गया है। इस समूह ने भैंस पालन हेतु कर्ज लिया था। दोनों समूहों के तुलनात्मक अध्ययन द्वारा उन कारणों का विष्लेषण किया जायेगा किन परिस्थियों एवं कारणों से एक स्वयं समूह अर्श पर है। और दूसरा स्वयं सहायता समूह फर्श पर है। रहमानी स्वयं सहायता समूह की सभी 13 महिला सदस्यों तथा वीरा देवी स्वयं समूह के 11 सदस्यों से साक्षत्कार द्वारा तथ्यों की जानकारी लेने का प्रयास किया गया की यह रहमानी समूह सफलता की ऊँचाइओं पर पहुंचा तथा वीरा देवी समूह क्यों नहीं पहुँच सका इस अध्ययन के द्वारा स्वयं सहायता समूह के सफल तथा असफल होने के कारणों का विश्लेषण किया गया है इस अध्ययन में प्राथमिक एवं द्वितीक आकड़ों को अपना आधार बनाया गया है।

व्यक्तिगत अध्ययन–

रहमानी एक मुस्लिम परिवार से है चार भाई बहनो के इस परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ उस समय टूट पड़ा जब रहमानी के पिता दुर्घटना से विकलांग हो गए तथा कार्य करने में असमर्थ हो गए।

अपने छोटे भाई बहनो की देख रेख करने के लिए रहमानी ने सिलाई कढ़ाई का काम शुरू किया हाथ में हुनर था। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने के कारण पूँजी की भी एक समस्या थी। अनपढ़ रहमानी के हौसले बुलंद थे। परन्तु आगे बढ़ने का रास्ता मिला स्वयं सहायता समूह से रहमानी ने रहमानी स्वयं सहायता समूह का गठन 13 महिला सदस्यों के साथ किया था। 40 वर्षीय अविवाहित रहमानी ने जिन्दगी की कठिन राहों को पार किया मुख्य मंत्री की तरफ से 2014 में 90000 रुपय का पुरुस्कार भी मिला जनपद अलीगढ़ में स्वयं सहायता समूह के प्रशिक्षणों उद्योग प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं बैंक लघु प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षण भी रहमानी ही देती हैं। वीरा देवी स्वयं सहायता समूह की स्थापना 11 महिला सदस्यों के साथ की गयी थी परन्तु व स्वयं सहायता समूह बंद हो गया इसका प्रमुख कारण समूह का समय पर ऋण नहीं चुकाना रहा एक दूसरे पर अविश्वास ने समस्या को स्वयं सहायता समूह द्वारा महिला सशक्तिकरण हरिद्धार क्षेत्र का एक अध्ययन और अधिक बढ़ा दिया नेतृत्व क्षमता का अभाव कार्य कुशलता का अभाव एवं समूह के उद्देश्यों के प्रति उदासीनता आदि ऐसे प्रमुख कारक रहे जिसमे वीरा देवी स्वयं सहायता समूह असफल हो गया।

निष्कर्ष–

उद्देश्यों की कसौटी पर विष्लेशण किया जाये तो वर्ष 2005 में बना रहमानी स्वयं सहायता समूह महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। निवास मेला में कपड़ो की आपूर्ति हेतु बैंक से ऋण एक प्रमुख साधन है। जिसको समय पर चुकाना बचत जमा पूँजी को समूह सदस्यों में वितरण के बाद एक जमा कोष का निर्माण करना लाभ वितरण में सदस्यों आपसी तालमेल बनाये रखने में रहमानी जी ने सूझ–बूझ से काम लिया है। विभिन्न मेलों के आयोजन में सम्मिलित होने के लिए पुरुष श्रम की मांग ने समूह की महिला सदस्यों के पुरुषों को भी इसमें जोड़ दिया है। सभी ऋण चुकता करने के बाद आज यह समूह अपनी एक समर्थ पूँजी के साथ पूर्ण रूप से स्वावलम्बी है। समूह की महिलाओं द्वारा पूरे गाँव की महिलाओं एवं लड़कियो को सिलाई कढ़ाई एम्ब्रायडरी में हुनर सिखाया है। जिससे भविष्य में आत्मनिर्भर बन सके ये समूह अन्य समूहों के लिए मार्गदर्शक है। जिससे अन्य समूह भी स्थापित हुए हैं। जब मेले नहीं होते तो पुरुष गाय भैंस का दूध जीविका का प्रमुख साधन होता है। मेलों का व्यवसायीकरण किया जाना चाहिए तथा उच्च गुण वाले उत्पादों का विज्ञापन किया जाना चाहिए जिससे मांग अधिक हो अधिक मांग उत्पादन को बढ़ाएगी जिससे रोजगार आय और बचत में वृद्धि होगी बैंक द्वारा अनुदान पर भी ब्याज दिया जाना चाहिए स्वयं सहायता समूह बनाते समय संख्या पर ध्यान नहीं देते हुए सदस्यों के कौशल क्षमता समझदारी एवं सकारात्मक दृष्टिकोण पर ध्यान दिया जाना चाहिए यदि इन सुझाव पर अमल किया जाये तो भारतवर्ष के सभी स्वयं सहायता समूह सफल हो जायेंगे तथा गरीबी भारत का दामन छोड़ने को मजबूर हो जाएगी तथा भारत एक विकसित राष्ट्र होगा ।

सन्दर्भ सूची–

1. सांख्यिकी पत्रिका जनपद अलीगढ़ 2001–14
2. डैरेन वॉकर 2015 महिलओं के स्वयं सहायता समूहों का ग्रामीण भारत में परिवर्तन
3. कोकिला के 2001 रू केडिट ग्रुप्स फॉर वुमन वर्क्स, सोशल वैल्फेयर
4. रितु जैन 2003 रू सोशिओ इकोनॉमिक्स इम्पैक्ट थ्रो सेल्फ हेल्प ग्रुप योजना वॉल्यूम न 7 ,47
5. आभास कुमार झा 2001 लीडिंग टू दा पुअर डिजाइन फरा कैडिट इ.पो. वी. वॉल्यूम नं 8–15
6. राव वि एम 2003 वुमन सेल्फ हेल्प ग्रुप , प्रोफाइल फ्रॉम आंध्र एवं कर्नाटक, कुरुक्षेत्र वॉल्यूम 50 नं–6
7. सव्यसांची दास 2003 सेल्फ हेल्प ग्रुप एंड मइक्रो क्रेडिट सीबसरजिंग इंटीग्रेशन कुरुक्षेत्र वॉल्यूम 51नं–10
8. कृष्णा विजय एंड दास अमरनाथ 2003 सेल्फ हेल्प ग्रुप ए स्टडी इन ए पी डिस्ट्रिक, एच आर डी टाइम्स मई
9. Insite No- 13 March 2010 स्वयं सहायता समूह के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण
10. UPUEA Economic Journal October 2012 :ISSN&0975&2283 8th Annual Conference Proceeding Sri Guru Ram Rai College Dehradun Uttarakhand.
11. Primary Survey. Ram Das Singh : 2013 Socio & economics Transformation of scheduled cast Population in Aligarh District Unpublished Thesis C-C-S- University Meerut.